विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

सरस्वती शिशु मन्दिर

सी-41, सेक्टर-12, नोएडा

ई- पत्रिका अंक-39, जनवरी -2024

सामाजिक विज्ञान विशेषांक

ज्ञानोदय

☎ 0120-4545608 WEBSITE: ssmnoida.in GMAIL: ssm.noida@gmail.com

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

सरस्वती शिशु मंदिर , सी - 41, सेक्टर – 12, नोएडा

मासिक ई- पत्रिका जनवरी –2024

ज्ञानोदय (अंक -39)

संरक्षक मंडल

श्री प्रताप मेहता

श्री दिनेश गोयल

श्री रविन्द्र कुमार

श्री प्रदीप भारद्वाज

श्री सुशील कुमार

श्री असित कुमार त्यागी

मार्गदर्शक

श्री प्रकाश वीर (प्रधानाचार्य)
सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

संपादक

श्री लेखराज सिंह (आचार्य)
सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

संपादक मंडल

श्री दीपक कुमार, ब.अनु सिंह,

ब.प्रतीक्षा दीक्षित

अनुक्रमणिका

- संपादकीय
- प्रधानाचार्य जी की कलम से
- सामाजिक विज्ञान के क्रियाकलाप
- जयन्तियां
- आचार्य-अभिभावक सम्मेलन
- ऑनलाइन क्लास
- श्री राम भजन कार्यक्रम
- गणतंत्र दिवस
- वेश व बस्ता प्रतियोगिता
- हवन पूजन कार्यक्रम
- बताओ तो जानें
- सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी
- पत्रिका अंक प्रश्नोत्तरी

संपादकीय

आज के जमाने में जो भौतिक संसाधनों के पीछे जो दौड़ लगी हुई है। इसमें लोग भूल ही गए है जीवन का असली मकसद। जीवन में आधुनिक शिक्षा महत्वपूर्ण है किन्तु अगर उसके साथ आध्यात्मिक शिक्षा का समन्वय कर दिया जाए तो यह पृथ्वी पूरी तरह से स्वर्ग से भी सुन्दर बन जाए।

आध्यात्मिक शिक्षा से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और बच्चों के विचार और आचरण में क्रांतिकारी परिवर्तन आता है। आध्यात्मिक शिक्षा ग्रहण किया हुआ व्यक्ति जीवन के कठिन से कठिन समय में भी धैर्य रखके आगे बढ जाता है।कोई भी व्यक्ति किसी का भी बुरा करना तो बहुत दूर की बात है, बुरा सोच भी नहीं सकता है।

ऐसे कई महान व्यक्ति के उदाहरण है हमारे देश में। इस शिक्षा के कारण बच्चों मे कई गुणों का विकास होता हैं जैसे, स्वभाव की शालीनता, उदारता, विनम्रता, बड़ो का आदर सम्मान करने की भावना, क्षमा करना, विवेकपूर्ण आचरण और कई सारे अच्छे गुण। व्यक्ति में कोई अवगुण प्रवेश नहीं कर पाते। और वो दुसरे मनुष्यों के लिए भी सहायक बन जाता है।

आध्यात्मिक शिक्षा से नैतिकता का विकास होता है बच्चे किसी औपचारिक शिक्षा के बिना भी अपने घर और परिवार और समाज में ही अनौपचारिक रूप से आचरण सीख ही लेते हैं और इस बात का पता अभिभावकों को भी नहीं चल पाता। इसलिए घर समाज से लेकर विद्यालय तक आध्यात्म और विज्ञान का संतुलन हमें बना कर रखना चाहिए जिससे भैया /बहिनों में ज्ञान का सर्वांगीण विकास हो जिससे देश को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने में सहायक हो।

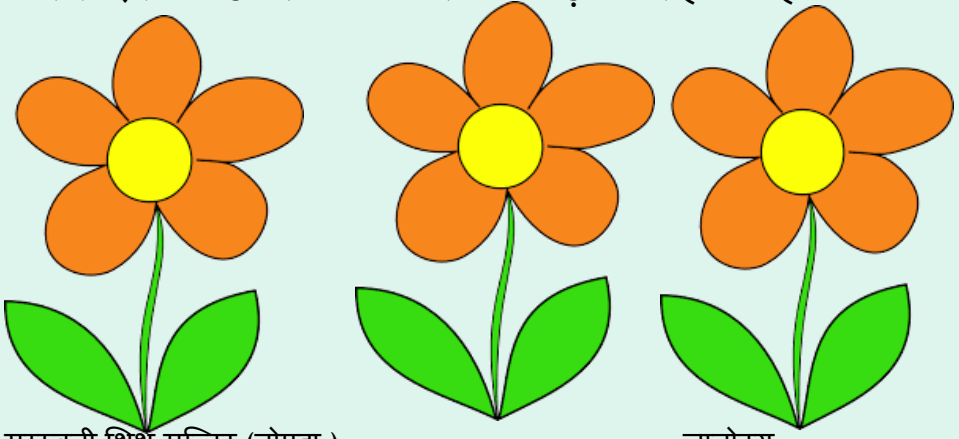

सरस्वती शिशु मन्दिर (नोएडा) ज्ञानोदय

(संपादक)

लेखराज सिंह (9540485506)

ज्ञानोदय ई – पत्रिका

सरस्वती शिशु मन्दिर, नोएडा

प्रधानाचार्य जी की कलम से

इतिहास संकलित जानकारियाँ

इक्ष्वाकु वंश- वैवस्वत मनु के पुत्र इक्ष्वाकु सूर्यवंश के प्रथम राजा हुए। इन्ही के नाम पर इक्ष्वाकु वंश नाम पड़ा, इस वंश के प्रमुख राजा - राजा सगर, अंशुमान, भगीरथ, अम्बरीष, मान्धाता , हरिश्चन्द्र , दिलीप, रघु, अज, दशरथ और रामचन्द्र जी विशेष रूप से विख्यात हुए।

विश्वामित्र व परशुराम जी का सम्बन्ध - परशुराम विश्वामित्र की बड़ी बहिन के पौत्र थे। दीर्घतपस्वी ऋषि ऋचीक ने चंद्रवंशी राजा गाधि की पुत्री से विवाह किया था। गाधि का कोई पुत्र ना था। एक भाई के लिए ऋषिपत्नी की प्रार्थना के कारण ऋषि की कृपा से गाधि को पुत्र की प्राप्ति हुई जिसका नाम विश्वामित्र प्रसिद्ध हुआ। विश्वामित्र कुछ समय राजा रहे, फिर महर्षि वशिष्ठ से प्रतिस्पर्धा कर पराभूत होने की ग्लानि से तपस्वी बन गए। उधर ऋचीक के पुत्र महर्षि जमदग्नि हुए और जमदग्नि के पुत्र राम, जो परशुधर के रूप में प्रसिद्ध होने के कारण परशुराम कहलाए।

राजा दशरथ की राज्य व्यवस्था- राज्य-व्यवस्था चलाने के लिए राजा दशरथ के आठ बुद्धिमान अमात्य (सचिव) थे और मंत्रणा एवं परामर्श के लिए छः वैदिक विद्वान मंत्री थे जिनका राजा बहुत सम्मान करते थे। इनके अतिरिक्त दो पूजनीय ऋषि ऋत्विज (कुलगुरु) के रूप में प्रतिष्ठित थे जिनसे महत्वपूर्ण विषयों में अनुमति ली जाती थी।

रावण लंका का राजा बना- इंद्र की आज्ञा से विश्वकर्मा ने लंका निर्मित की, किन्तु वहाँ राक्षस रहने लगे जिनके आतंक से लोकों की रक्षा करते हुए भगवान् विष्णु ने उनको मार भगाकर रसातल में भेज दिया। लंका में रावण के सौतेले ज्येष्ठ भ्राता कुबेर ने राज्य स्थापित कर लिया । रावण की माता कैकसी राक्षस राज सुमाली की पुत्री थी जिसने अपने पिता की प्रेरणा से ही राजनीतिक उद्देश्य से पुलस्त्य पुत्र विश्रवा से विवाह किया। राक्षसों के उकसाने पर रावण ने कुबेर से लंका लौटाने को कहा। कुबेर ने पिता की आज्ञा से लंका छोड़ कैलाश के समीप अलकापुरी बसायी तथा रावण लंका का राजा हो गया।

प्रकाश वीर (प्रधानाचार्य)

सरस्वती शिशु मन्दिर, नोएडा

सामाजिक विषय के क्रियाकलाप

Class -2nd

ACTIVITY-1

प्रकरण - भारतीय सनातन संस्कृति को बढ़ावा देना।

भगवान राम के आदर्श जैसे परिवार, समाज व बड़े छोटे के बीच के संबंधों के प्रति भगवान राम ने जो आदर्श स्थापित किए उन आदर्शों को भैया/बहिन अपने आप में आत्मसात करें।

ACTIVITY-2

प्रकरण- समुद्र पर पुल बना

उद्देश्य- भैया/बहिनों में सामूहिक रूप से कार्य करने के गुण का विकास करना।

भैया/ बहिनों के अन्दर सामूहिक रूप से कार्य करने के गुण का विकास करना। भैया/बहिनों को ज्ञान कराना कि सभी लोगों के प्रयास करने से बड़े से बड़े कार्य को भी किया जा सकता है। उन्हें ये बताना कि सामूहिक रूप से कार्य करने पर सभी छोटे- बड़े अपनी- अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग कर सकते हैं। समुद्र पर पुल निर्माण के समय गिलहरी ने भी अपना सहयोग प्रदान किया था। संगठन में शक्ति होती है।

12 जनवरी, अलकापुरी, विश्वकर्मा जी ने, दक्षिण, सामाजिक विषय, अशोक स्तम्भ से, कैकसी, इक्ष्वाकु, उत्तर -पूर्वी भाग में।

Class -3rd

ACTIVITY-1

प्रकरण- भैया/ बहिनों को ग्लोब के द्वारा दिन और रात का ज्ञान कराना।

ग्लोब की परिभाषा – पृथ्वी की आकृति दिखाने के लिए हम एक गोलाकार यंत्र का प्रयोग करते हैं। उसे ग्लोब कहते हैं।पृथ्वी के घूर्णन करने पर, पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने होता है वहाँ दिन होता है और जो भाग सूर्य की विपरीत दिशा में होता है वहाँ अँधेरा या रात होती है। चूंकि पृथ्वी एक परिक्रमा लगभग 24 घण्टे में पूरा करती है, इतना ही समय दिन-रात के एक चक्र को पूरा होने में लगता है।

ACTIVITY-2

प्रकरण- भैया/बहिनों को राष्ट्रीय ध्वज के विषय में ज्ञान कराना।

भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा है। इसकी लंबाई चौड़ाई से डेढ़ गुनी होती है। राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग होते हैं। ध्वज में सबसे ऊपर केसरिया रंग बीच में सफेद और सबसे नीचे हरा रंग होता है। केसरिया रंग हमें साहस वीरता त्याग एवं बलिदान का पाठ सिखाता है। सफेद रंग शान्ति सच्चाई और शुद्धता सिखाता है। श्वेत रंग की पट्टी के मध्य में एक नीले रंग का चक्र है। यह चक्र अशोक स्तम्भ से लिया गया है। इस चक्र में 24 तीलियां होती है। चक्र हमें लगातार आगे बढ़ते रहने का सन्देश देता है। हरा रंग सुख-समृद्धि और सम्पन्नता का परिचय देता है।

Class -4th

ACTIVITY-1

प्रकरण - उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक भागों का ज्ञान करना ।

भाँभर व तराई भाग, मैदानी भाग, पठारी भाग

उत्तर प्रदेश भारत के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित है। प्रदेश के उत्तरी एवम पूर्वी भाग की तरफ़ पहाड़ तथा पश्चिमी एवम मध्य भाग में मैदान हैं। उत्तर प्रदेश को मुख्यतः तीन क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है। उत्तर में हिमालय का - यह् क्षेत्र बहुत ही ऊँचा-नीचा और प्रतिकूल भू-भाग है।

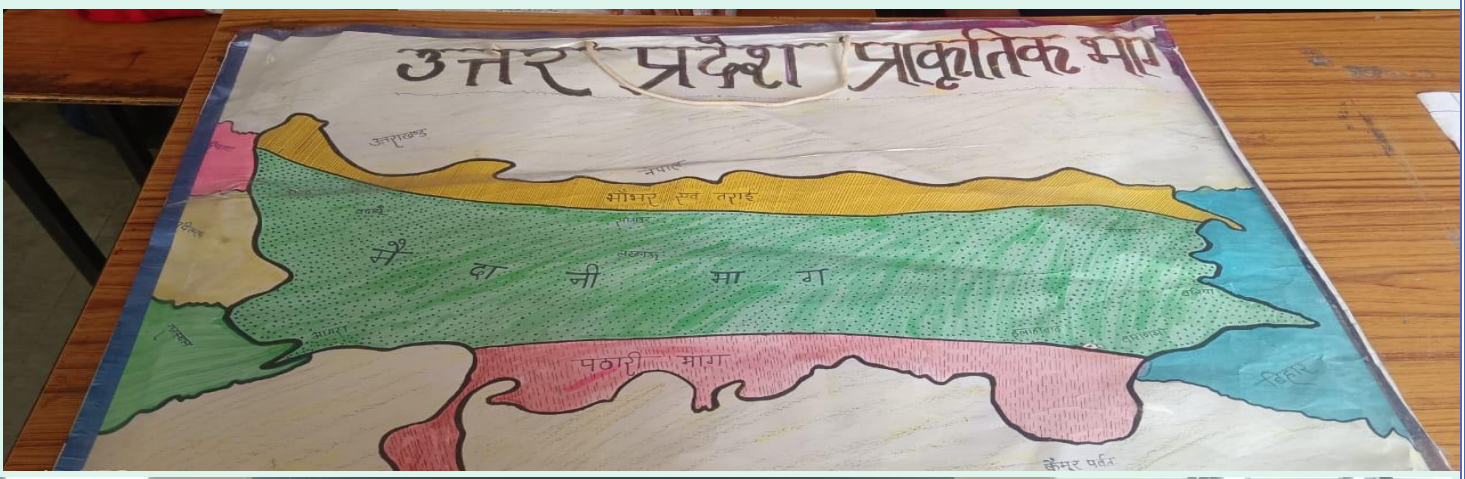

ACTIVITY-2

प्रकरण—राष्ट्रीय प्रतीकों का ज्ञान करना

राष्ट्रीय प्रतीक मुख्य रूप से उस स्थान के इतिहास, उसके लोगों और गौरव का प्रतिनिधित्व करने के लिए एकजुटता पैदा करने का प्रयास करते हैं । ये प्रतीक अक्सर सम्मान और देशभक्ति के संकेत के रूप में राष्ट्रवाद के प्रतीक होते हैं।

Class-5th

ACTIVITY-1

विषय-भारत की सीमाएं एवं पड़ोसी देश

भारत के पश्चिम में पाकिस्तान, भारत के पूर्व में बांग्लादेश ,म्यांमार, और भारत के उत्तर में चीन और नेपाल और भारत के दक्षिण में श्रीलंका देश हैं।

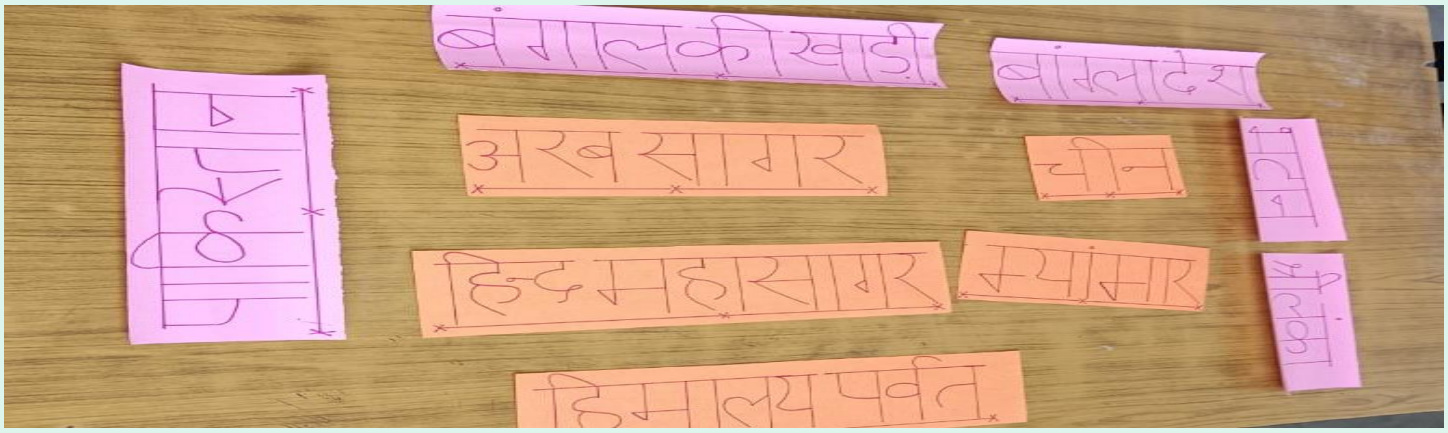

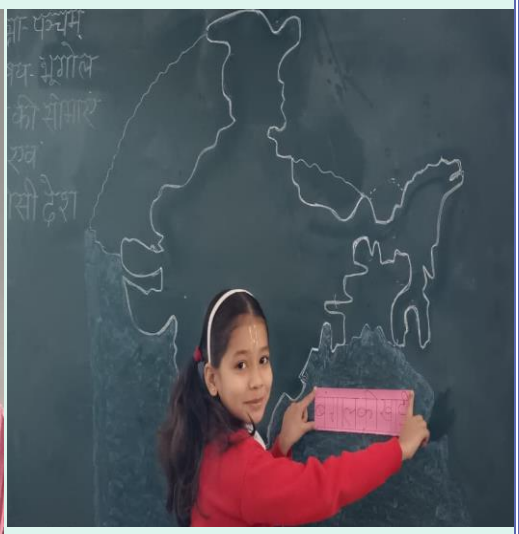

ACTIVITY-2

विषय - राज्य एवं राजधानियां

प्रथम चित्र में श्यामपट्ट पर राज्यों के नाम दर्शाऐ गए हैं। हमने फ्लैश कार्ड पर राजधानियां लिखकर भेज पर रख दी भैया/बहिन को एक-एक राजधानी का फ्लैश कार्ड उठाने के लिए कहेंगे भैया- बहन राजधानी वाला फ्लैश कार्ड सही राज्य के नीचे चिपका देंगे।

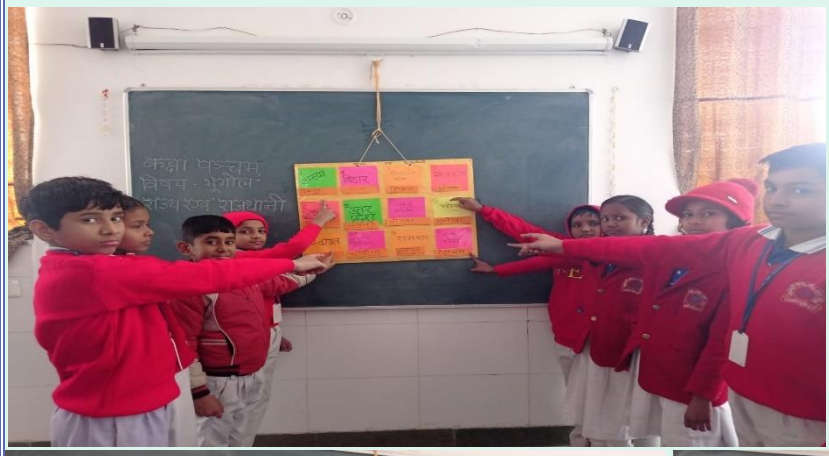

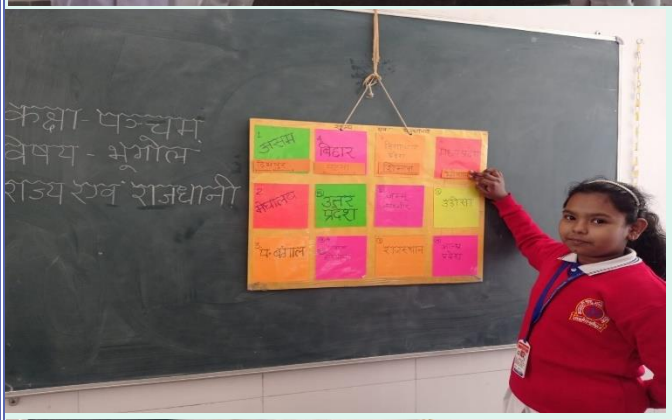

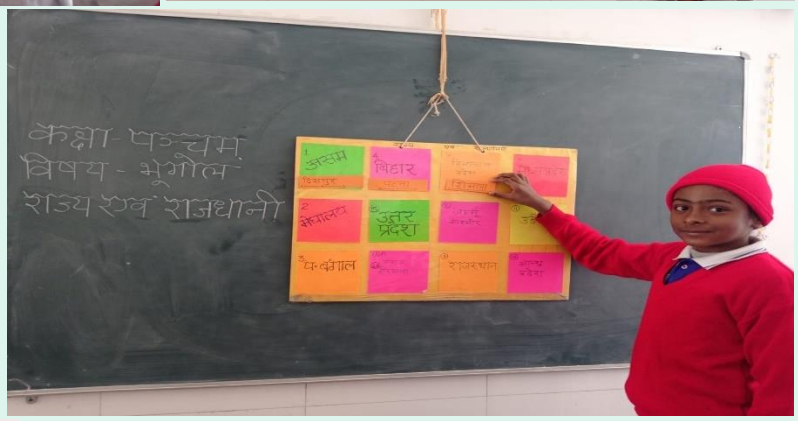

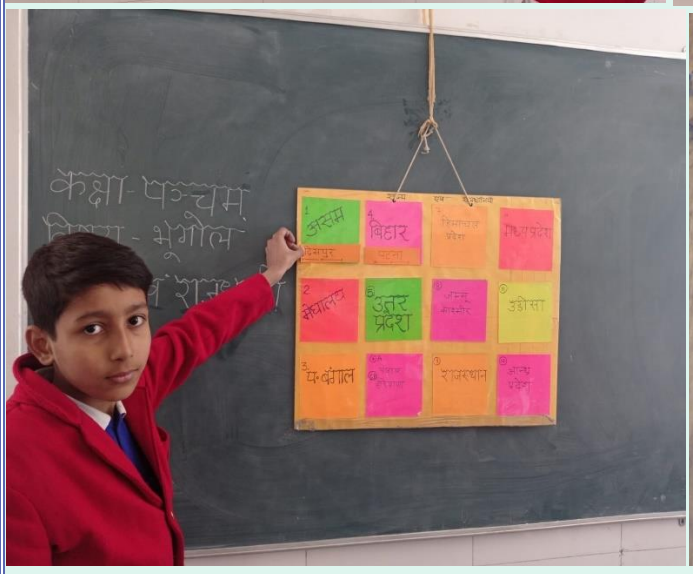

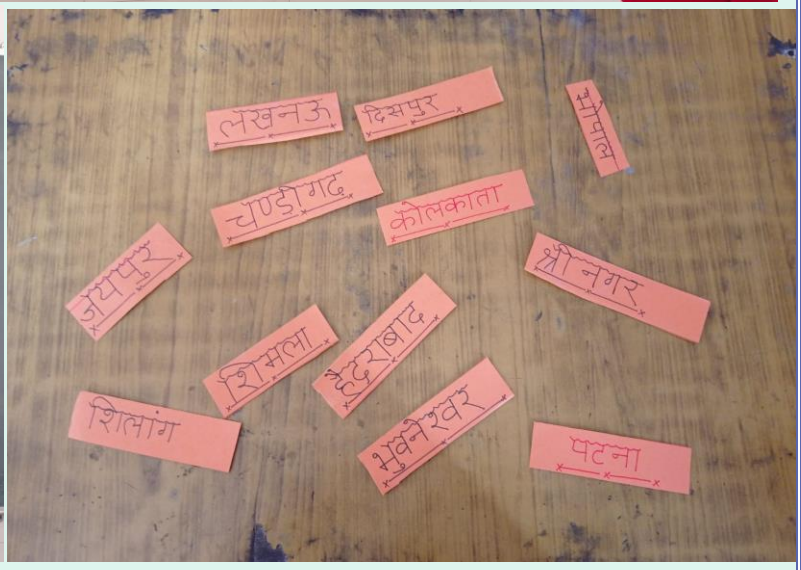

जयन्तियाँ

स्वामी विवेकानंद

सरस्वती शिशु मंदिर में मनाई स्वामी विवेकानन्द की जयंती

नोएडा (युगकरवट)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में स्वामी विवेकानन्द की जयंती का कार्यक्रम युवा दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। जिसमें विद्यालय में कार्य कर रहे पूर्व छात्र आचार्यों ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन से संबंधित प्रेरक प्रसंग सुनाए तथा प्रेरक प्रसंगों से मिली शिक्षा को अपने जीवन में आत्मसात करने का आग्रह किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता आचार्या संगीता गोयल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश वीर ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मन्दिर
सी-41, सैक्टर-12
नोएडा, गौतमबुद्ध नगर

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्ब
सरस्वती शिशु मन्दिर

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से
सरस्वती शिशु मन्दि
सी-41, सैक्टर-12
नोएडा, गौतमबुद्ध नग

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम
सरस्वती शिशु मन्दि
सी-41, सैक्टर-12
नोएडा, गौतमबुद्ध नगर

सुभाष चन्द्र बोस

लाला लाजपत राय

दिनांक- 12,23,27 जनवरी 2024 को क्रमशः विद्यालय में स्वामी विवेकानंद, सुभाष चन्द्र बोस व लाला लाजपतराय जी की जयन्ती मनाई गई।

कांगड़ा का किला, सिंधुदुर्ग का किला, चितौड़गढ़ का किला, मेहरान गढ़ का किला, ग्वालियर का किला, सोनार का किला

आचार्य-अभिभावक सम्मेलन

दिनांक -13.01.2024 को विद्यालय में आचार्य अभिभावक गोष्ठी हुई जिसमें शिशुओं के समग्र विकास हेतु विचारों का आदान- प्रदान किया गया।

ऑनलाइन क्लास

5 अगस्त 2020, 22 जनवरी 2024, अरुण योगीराज, साकेत, 161 फीट, 392, 84 सेकंड, अज, नागर शैली, पूर्व दिशा

Ukg- D
Ishika
Mohd Saad
Darshit kumar
Viraj Singh
Adya jha
Mukund Mahender
Rachit
Bhoomi soni
Namrata Singh
Vivek Singh
arnav
Daksh Rai
Srishti chamola
md mojahir
Pranav yadav
UKG A
Vaanya
Xiaomi 2311DRN14I
10:27 AM
Class Work
Ascending Order
UKG C
h_t
6
s_x
U.K.G -B
Arvind bhati
शौर्य चमोला

Srivastav
Vaishnavi bhatt
Rudransh
Agam Kumar Gupta
Aryan
Rudransh Singh
love
Priyanka
Dolly Kumari
love
Kartik
Vaishnavi jha
Aruna jha
Kavya Srivastav
Naj Parveen
love
Aryan

Manik yadav
Kavya
Bhoomi Bharti
Priyansh singh
Arushi
Cheery Chauhan
Mansi Garg
Arohi, Mansal
Khyaati Kandpal
Puneet rajput
Priyam Tripathi
Shaurya Singh
Aaditya Kumar
Rudransh Shakya
Dev Sharma
Dhruv bisht
Vaishnavi
Amit kumar mishra
Kavya kuloura
parthiv sharma
Riddhi Kumari
Mayank Kumar Singh
Keshav kumar
Ananya
Ayansh
Ayushman
Krish Raj
Harsh Thakur

Akshit abhi
Srishti Shriyan
Pulkit pandey
Jitesh pandey
Abhinav
iPhone12345
Arpit tyagi

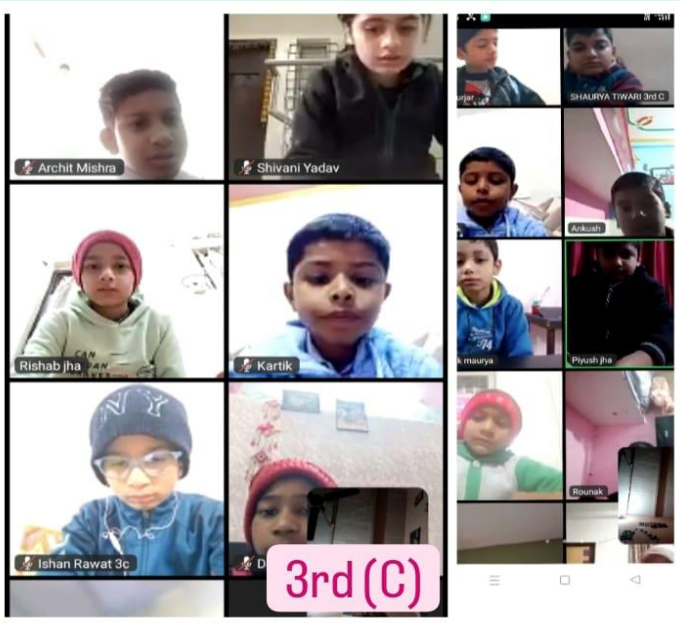
Archit Mishra
Shivani Yadav
Rishab jha
Kartik
Ishan Rawat 3c
3rd (C)
SHAURYA TIWARI 3rd C
Ankush
Piyush jha
Rounak

Class - 4th

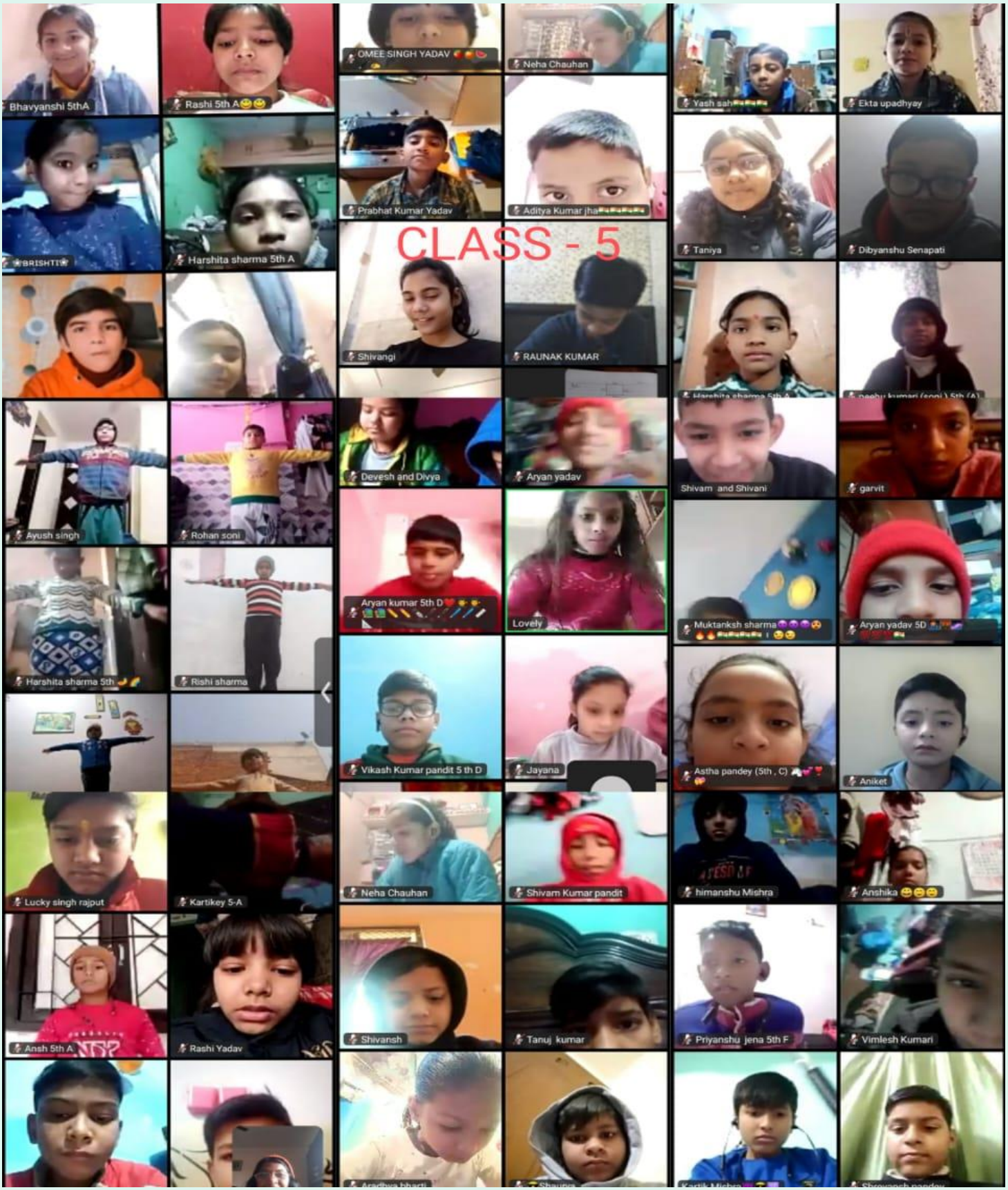

जनवरी मास में शीत अवकाश के दौरान शिक्षण कार्य की निरंतरता बनाए रखने हेतु ऑनलाइन क्लास के छायाचित्र।

श्री राम भजन कार्यक्रम

दिनांक-20.01.24 को विद्यालय परिवार द्वारा प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में श्री राम भजन कार्यक्रम के छायाचित्र।

गणतंत्र दिवस

सहयोग - भारत विकास परिषद, नोएडा
विद्या भारती से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मंदिर

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मन्दिर
सी-41, सैक्टर-12
नोएडा, गौतमबुद्ध नगर

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मन्दिर
सी-41, सैक्टर-12
नोएडा, गौतमबुद्ध नगर

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मन्दिर
सी-41, सैक्टर-12

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मन्दिर

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मन्दिर
सी-41, सैक्टर-12

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मन्दिर
सी-41, सैक्टर-12

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मन्दिर
सी-41, सैक्टर-12
नोएडा, गौतमबुद्ध नगर

भारत भवन
सहयोग - भारत विकास परिषद, नोएडा
विद्या भारती से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मंदिर

सरस्वती शिशु मंदिर

विद्या भारती से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मंदिर

ॐ

सहयोग - भारत विकास परिषद्, नोएडा
विद्या भारती से सम्बद्ध
सरस्वती शिशु मंदिर

सरस्वती शिशु मंदिर में ध्वजारोहण व सांस्कृतिक कार्यक्रम

नोएडा (युग करवट)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध सेक्टर–12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में 75वां गणतंत्र दिवस का धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण एवं मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। बच्चों ने देश भक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत का अतिथियों व अभिभावकों का मन मोह लिया। ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एलकॉम्पोनिक्स ग्रुप के सीएमडी सत्येंद्र नारायण द्विवेदी, नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल दिनेश गोयल (अध्यक्ष), प्रदीप भारद्वाज (व्यवस्थापक), असित त्यागी (कोषाध्यक्ष), प्रताप मेहता (संरक्षक), प्रधानाचार्य प्रकाश वीर सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आचार्या प्राची मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ व अभिभावक उपस्थित रहें।

तृतीय चरण की वेश व बस्ता प्रतियोगिता

दिनांक-29 व 30.01.24 को तृतीय चरण की वेश और बस्ता प्रतियोगिता में भैया/ बहिनों ने भाग लिया।

हवन - पूजन कार्यक्रम

दिनांक-30.01.24 को शिशुओं के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हवन पूजन का कार्यक्रम हुआ जिसमे इनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

बताओ तो जानें

नीचे दिए गए भारत के प्रसिद्ध किलों के नाम बताएं

1

2

3

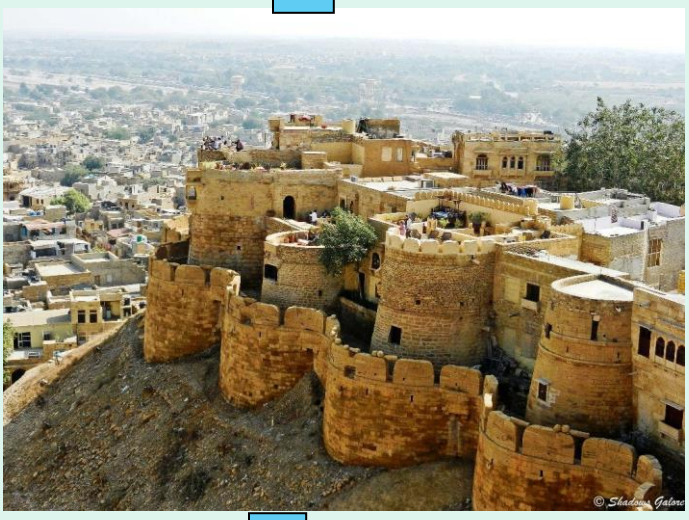

4

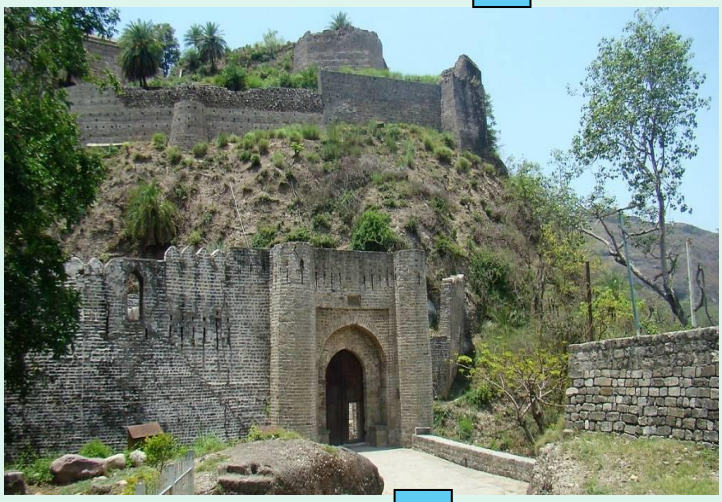

5

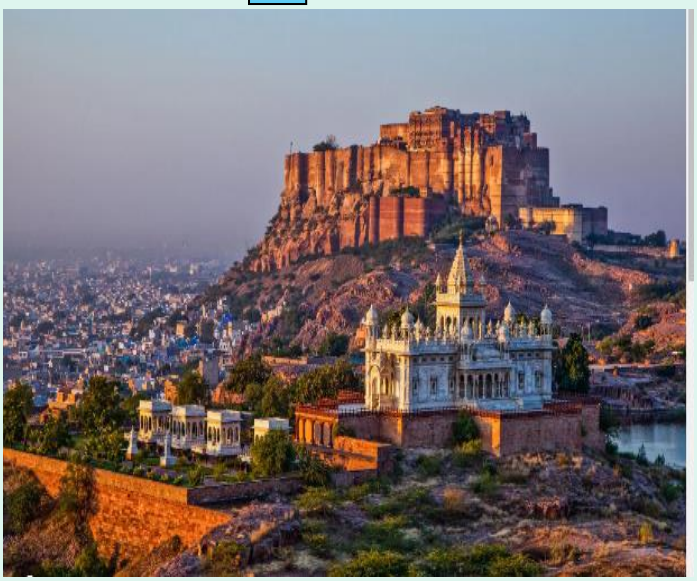

6

उत्तर इसी अंक में किसी एक स्थान पर बिना किसी क्रम के दिए गए हैं, आप इसे खोजकर क्रमानुसार लिखें।

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी

7- श्री राम मंदिर की भूमि पूजन कब हुआ ?

8- श्री राम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा कब हुई ?

9- भगवान श्री राम जी के मूर्तिकार का नाम ?

10- श्री राम जन्मभूमि अयोध्या का प्राचीन नाम ?

11- श्री राम मंदिर की ऊंचाई कितनी है ?

12- श्री राम मंदिर के खम्भों की संख्या कितनी है?

13- रामलला प्राण प्रतिष्ठा में कितना समय लिया गया ?

14- राजा दशरथ के पिता का क्या नाम था ?

15- अयोध्या में श्री राम मंदिर किस शैली में बना है ?

16- श्री राम मंदिर का प्रवेश द्वार किस दिशा में है ?

उत्तर इसी अंक में खोजें

पत्रिका अंक प्रश्नोत्तरी

17- तिरंगे में दिए गए अशोक चक्र को कहां से लिया गया है ?

18- पत्रिका का विशेषांक क्या है ?

19- लंका का निर्माण किसने किया ?

20- उत्तर प्रदेश भारत के किस भाग में स्थित है ?

21- विद्यालय में स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती कब मनाई गई ?

22- रावण की माता का क्या नाम था ?

23- सूर्यवंश के प्रथम राजा कौन थे ?

24- कुबेर ने लंका को छोड़कर कौन सी नगरी बसायी ?

25- श्रीलंका भारत के किस दिशा में स्थित है ?

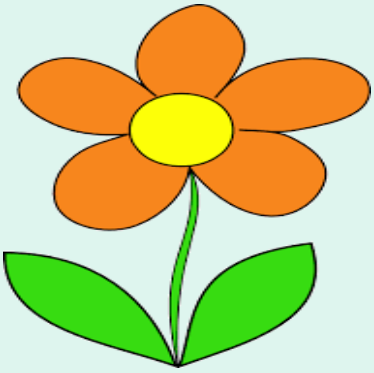

उत्तर इसी अंक में किसी एक स्थान पर बिना किसी क्रम के दिए गए हैं, आप इसे खोजकर क्रमानुसार लिखें।

सूचना

पृष्ठ क्रमांक 34, 35 व 36 पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दिनांक 5 फरवरी 2024 को दिए जाने वाले गूगल फॉर्म पर भरकर देने हैं। ध्यान रहे की गूगल फॉर्म 5 फरवरी को सायं 4:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक ही खुला रहेगा अतः इस समय अवधि में ही गूगल फॉर्म भरें ।

गूगल फॉर्म में आए प्रश्न उत्तर में से लकी ड्रा में आए 20 भैया/बहिनों को इसी माह में किसी दिन वंदना सत्र में पुरस्कृत किया जाएगा।

सम्पादक

लेखराज सिंह (9540485506)